>

Title: Regarding flood damage in Uttar Pradesh.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): सभापति महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद कि आप ने मेरे निवेदन को स्वीकार किया।

सभापति जी, इस सदन में इस सत्र में पहले भी बात उठ चुकी है और आज भी काफी आक्रोश में सम्मानित सदस्यों ने अपनी बात रखी है। गंगा-यमुना की बाढ़ ने 35 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उत्तर भारत के मध्य प्रदेश से लेकर उत्तर प्रदेश के तमाम जिले इस से प्रभावित हुए हैं। इलाहाबाद में चालीस हजार मकान प्रभावित हुए हैं। अल्लाहपुर का जो बांध था वह भी टूट गया।

अभी मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र कौशाम्बी गया था। मेरा क्षेत्र एक तरफ गंगा और एक तरफ यमुना के बीच का दोआब क्षेत्र है। माननीय सलमान खुर्शीद साहब जा चुके हैं। आप भी जानते हैं। वहां दोनों तरफ जलमग्न है। करीब दर्ज़नों गांवों में मैं खुद नाव से गया था। कहीं भी जाने का रास्ता नहीं है। वहां टापू पर लोग अपनी पक्के मकानों के छतों के ऊपर हैं। कच्चे मकान तो बह गए, ढह गए जिससे काफी संख्या में जान-माल का नुकसान हुआ।

पिपरहता गांव है छोटा-बड़ा, मल्हीपुर है, नंदा का पुरा है, चकदीन्हा है, केवटपूर्वा, मरूअल, पाली, हिशामबात, गढ़वा, कोसम, खिराज, इमाम के अलावा तमाम ऐसे गांव हैं जो यमुना से प्रभावित हैं। इसके अलावा गंगा नदी के बाढ़ से भी प्रभावित तमाम इलाके हैं जिसका मैं नाम नहीं लेना चाहूंगा लेकिन भारी संख्या में वहां जानवर बह गए हैं। रात में जानवर बंधे थे। बाढ़ आ गयी। जानवर बह गए। लोगों को जान-माल का काफी नुकसान है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा कि दैवी आपदा में तो सरकार राहत के रूप में आर्थिक पैकेज देती है लेकिन इस त्रासदी को देखते हुए, गंगा-यमुना का रौद्र रूप देखते हुए, मैं चाहूंगा कि केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश को अधिक से अधिक आर्थिक पैकेज दे ताकि जो लोग बेघर हुए हैं, उनके घर बन सके और लोगों को जान-माल का जो नुकसान हुआ है उसके लिए उन्हें इमदाद मिल सके।

सभापति महोदय : शैलेन्द्र जी, आप ने बहुत महत्वपूर्ण सवाल उठाया है। लेकिन, आप अपने राज्य सरकार से कहिए कि वे इस संबंध में कोई मेमोरैण्डम भेजें।

श्री शैलेन्द्र कुमार : ठीक है। धन्यवाद।

सभापति महोदय : श्री शैलेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय से

श्री धनंजय सिंह स्वयं को सम्बद्ध करते हैं।